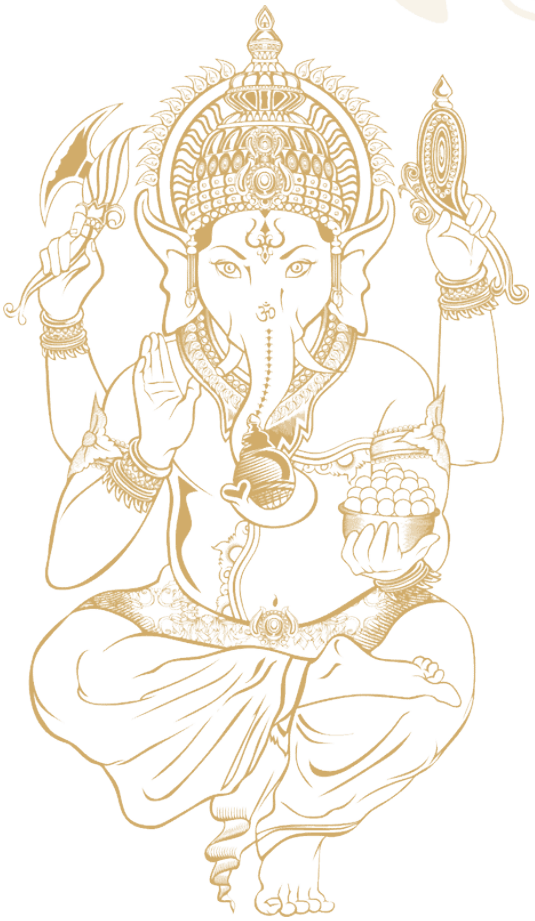

Yash jain

Uma jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121584305

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/11/1994	जन्म तिथि	31-01/04/1998
शनि-रविवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 00:30:00	जन्म समय	01:15:00 घंटे
घटी 44:50:15	जन्म समय(घटी)	47:15:33 घटी
India	देश	India
Sanwer	स्थान	Mandsaur
22:59:00 उत्तर	अक्षांश	24:03:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:29:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:54	सूर्योदय	06:23:03
17:46:34	सूर्यास्त	18:44:34
23:47:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 11वर्ष 8मा 27दि		25:53:38	कर्क	लग्न	धनु	14:47:49	सूर्य 0वर्ष 7मा 8दि	
शुक्र		19:20:50	तुला	सूर्य	मीन	17:03:36	राहु	
03/08/2013		20:47:29	वृश्चि	चंद्र	वृष	08:39:00	09/11/2015	
03/08/2033		22:53:13	कर्क	मंगल	मीन	26:58:39	08/11/2033	
शुक्र	02/12/2016	00:36:48	तुला	बुध व	मीन	26:43:17	राहु	22/07/2018
सूर्य	02/12/2017	28:47:25	तुला	गुरु	कुंभ	19:18:53	गुरु	14/12/2020
चन्द्र	03/08/2019	14:48:37	तुला व	शुक्र	कुंभ	00:37:13	शनि	21/10/2023
मंगल	02/10/2020	11:54:08	कुंभ व	शनि	मीन	27:55:02	बुध	10/05/2026
राहु	03/10/2023	21:01:20	तुला	राहु व	सिंह	16:20:27	केतु	28/05/2027
गुरु	03/06/2026	21:01:20	मेष	केतु व	कुंभ	16:20:27	शुक्र	28/05/2030
शनि	03/08/2029	29:06:32	धनु	हर्ष	मक	18:01:53	सूर्य	22/04/2031
बुध	03/06/2032	27:06:26	धनु	नेप	मक	08:01:25	चन्द्र	21/10/2032
केतु	03/08/2033	03:35:53	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:06:51	मंगल	08/11/2033

लग्न-चलित

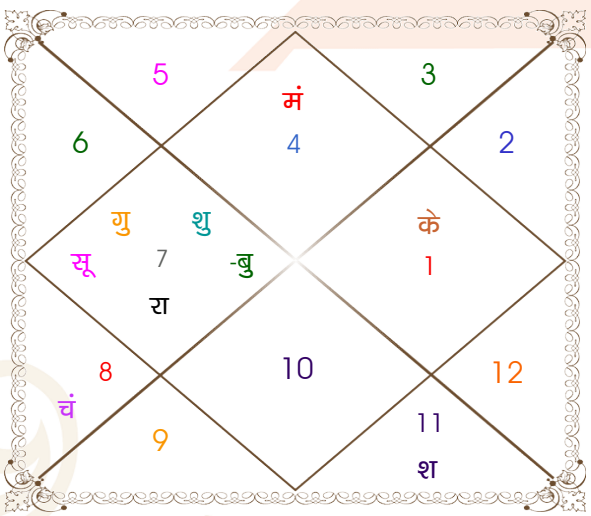

लग्न-चलित

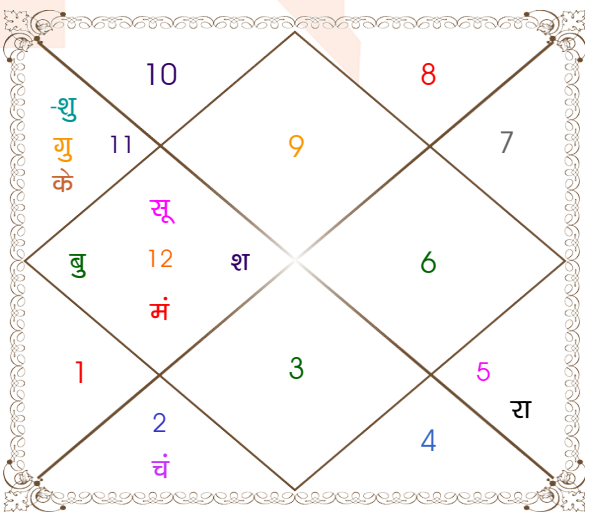

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

Yash jain का वर्ग मृग है तथा Uma jain का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yash jain और Uma jain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Yash jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Yash jain कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Uma jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Yash jain कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

Yash jain तथा Uma jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।